

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

मसाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 370] नई दिल्ली, बृद्धवार, सितम्बर 21, 1983/सात्र 30, 1905
No. 370] NEW DELHI, WEDNESDAY, SEPT. 21, 1983 B (ADRA 30, 1905

इस भाग में जिन पृष्ठ संख्या वाली जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

नौवहन और परिवहन मंत्रालय

(पत्तन पक्ष)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 21 सितम्बर, 1983

गा. का. नि. 735(अ) —केन्द्रीय सरकार भारतीय न्यास अधिनियम, 1903
(1963 का 38) की धारा 4, उपधारा (1) पदाना शक्तियों का प्रयोग करते हुए
न्यास और पत्तन को पहले न्यासी मंडल में अपर गणित (पत्तन), नौवहन और
परिवहन मंत्रालय के स्थान पर संयुक्त सचिव (पत्तन), नौवहन और परिवहन
(पत्तन पक्ष) को न्यासी नियुक्त करती है तथा नौवहन और परिवहन मंत्रालय

(पत्तन पक्ष) में भारत सरकार की अधिसूचना सं. सा. का. नि. 437(अ) दिनांक 31 मई, 1982 में पुनः निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना के क्रम सं. 3 के आगे “अपर मण्डिव (पत्तन)” के स्थान पर “संयुक्त सचिव (पत्तन)” रहेगे।

[फा. सं. पी. डब्ल्यू/पीटीबी-13/82]
दिनेश कुमार जैन, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT

(Ports Wing)

NOTIFICATION

New Delhi, the 21st September, 1983

G.S.R. 735(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 4 of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), the Central Government hereby appoints the Joint Secretary (Ports), Ministry of Shipping and Transport (Ports Wing) as a Trustee on the First Board of Trustees for the Nhava Sheva Port vice Additional Secretary (Ports), Ministry of Shipping and Transport and makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Shipping and Transport (Ports Wing) No. G.S.R. 437 (E), dated the 31st May, 1982, namely :—

In the said notification, against Serial Number 3, for the entry “Additional Secretary (Ports)”, the entry “Joint Secretary (Ports)”, shall be substituted.

[F. No. PW|PTB-13|82]
D. K. JAIN, Jt. Secy.